Pragyan 26 march_Layout 1 4/5/2016 11:36 AM Page 1

b&lekpkj i=

प्रज्ञान

';okvksa dk eap'

fnukad 02 vçSy 2016 ¼lkIrkfgd½ o"kZ 01 vad 05

सप्ताह का विचार

सच्ची सफलता और आनंद का सबसे बड़ा रहस्य यह हैं। वह पुरुष या स्त्री जो बदले में कुछ नहीं मांगता, पूर्ण रूप से निस्स्वार्थ व्यक्ति, सबसे सफल हैं।

–स्वामी विवेकानंद

आकाशवाणी दिल्ली से रूबरू हुए छात्र

दिल्ली भ्रमण के लिए रवाना होते छात्र–छात्राएं, साथ हैं प्राचार्य व शिक्षकगण। फोटो: सुमित बंसल

सुभारतीपुरम।

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान के छात्र–छात्राएं शुक्रवार को नई दिल्ली के शैक्षणिक भ्रमण पर गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने आकाशवाणी, एआईआर रेनबो, समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया आदि की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए।

डीन डा. धर्मेंद्र सिंह और उपप्राचार्य डा. नीरज कर्ण सिंह ने विद्यार्थी के समूह को हरी झंडी दिखाकर सुभारती विश्वविद्यालय के कैम्पस से रवाना किया। असिस्टेंट प्रोफेसर अरविंद कुमार और सुरेंद्र कुमार अधाना के निर्देशन में छात्र–छात्राएं सर्वप्रथम आकाशवाणी के प्रसारण भवन पहुंचे। यहां आकाशवाणी के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर पीएस थपलियाल ने विद्यार्थियों को रेडियो के प्रोडक्शन, विभिन्न कार्यक्रम, प्रायोजित कार्यक्रम से लेकर प्रसारण तक सभी गतिविधियों से अवगत कराया। आक. ाशवाणी के विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी पहलुओं के अलावा उन्होंने बताया कि वीआईपी कवरेज कैसे की जाती है? और वीआईपी कवरेज करते समय किन बातों का ध्यान रखना होता है और किन गलतियों से बचना आवश्यक है। रेडियो के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को लेकर पूछे गए छात्रों के सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि रेडियो में अपार संभावनाएं हैं और क्षेत्रीय स्तर पर कम्यूनिटी रेडियो में भी काफी काम किया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने छात्रों को आकाशवाणी के एफएम चैनल रेनबो का भी भ्रमण कराया। यहां छात्रों ने देखा कि किस तरह प्रोग्राम रिकार्ड किए जाते हैं और किस तरह लाइव प्रोग्राम का प्रसारण किया जाता है।

आकाशवाणी के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर पीएस थपलियाल के साथ छात्र–छात्राएं व शिक्षकगण।

इसके बाद छात्र–छात्राएं विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए गुरुद्वारा बंगला साहिब, उग्रसेन की बावली, इंडिया गेट और नई दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी गए।

समसामयिकी

➡ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने हरित दिल्ली के पहले चरण का शुभारंभ किया।

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 मार्च 2016 को खुशहाली मंत्रालय की घोषणा किया। यह भारत में पहली बार खुशहाली का मंत्रालय होगा।

➡ वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 31 मार्च 2016 को नई दिल्ली में स्टार्टअप इंडिया पोर्टल एवं मोबाइल एप आरंभ किया।

➡ कक्षा तीन में पढ़ाई छोड़ने वाले 66 वर्षीय कोसली भाषा के कवि हलधर नाग राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा 28 मार्च 2016 को पदम् श्री से सम्मानित किए गए।

➡ महबूबा मुफ्ती जम्मू–कश्मीर की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनी।

➡ विकास पर पांच दिवसीय वैश्विक सम्मेलन बिहार में आयोजित किया गया।

➡ चंडीगढ़ भारत का पहला केरोसिन मुक्त शहर बना।

➡ भारत मेडिकल मूल्य यात्रा के बाजार के एक तिहाई पर कब्जा कर सकता है।

➡ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट खिलाड़ी और ऑलराउंडर शेन वाटसन ने 24 मार्च 2016 को अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

➡ आधार पंजीकरण की संख्या 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है, जिससे विभिन्न सार्वजनिक कल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी।

छात्रों ने सीखीं कैमरा, लाईट और साउंड की बारीकियां

सुभारती पत्रकारिता संस्थान में आयोजित कार्यशाला में छात्र–छात्राओं को कैमरे की बारीकियों के गुर सिखाते 'आज तक' न्यूज चैनल के इंजीनियर ऑफ ब्रॉडकास्टिंग सुशांत कुमार राजवंशA QkVks % f'kçk'k ik.M;

सुभारतीपुरम।

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में गुरुवार को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 'आज तक' न्यूज चैनल के सीनियर इंजीनियर ऑफ ब्रॉडकास्टिंग सुशांत कुमार राजवंश ने छात्रों को कैमरा लाइटिंग और साउंड विषय की बारीकियों से अवगत कराया।

कार्यशाला की शुरुआत पत्रकारिता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अरविंद कुमार ने वक्ता के परिचय से की। उन्होंने बताया कि सुशांत कुमार राजवंश को पत्रकारिता के क्षेत्र में 13 वर्षों का अनुभव है वर्तमान में वह इंडिया टुडे ग्रुप से जुड़े हैं। सुशांत कुमार ने कैमरे की बारीकियों से छात्र–छात्राओं को अवगत कराते हुए कैमरे के सैद्धांतिक पक्ष और तकनीकी पक्ष की भी जानकारी दी। वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इस्तेमाल होने वाले कैमरे उसके शॉट और शूट के समय

इस्तेमाल होने वाले लाइटिंग इफैक्ट के बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला में कैमरे के कई पार्ट्स के बारे में भी बताया गया। कार्यशाला के अंत में सुशांत कुमार ने ओबी वैन, लीज लाइन, स्काइप, लाइव यू आदि के बारे में भी बताया। साथ ही यह भी बताया कि फील्ड में जाकर रिपोर्टिंग कैसे की जाती है। प्राचार्य डा. धर्मेंद्र सिंह ने सुशांत कुमार का आभार व्यक्त किया। उपप्राचार्य डां नीरज कर्ण सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपा रानी, सुरेंद्र कुमार अधाना और राकेश कुमार ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पत्रकारिता विभाग ने लांच की ई–फोटो मैगजीन

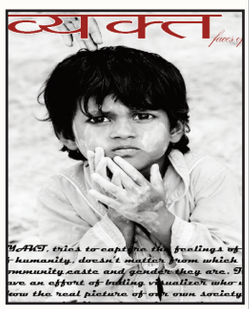

कहा जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होती है। फोटोग्राफी एक कला है। यह एक ऐसी कला है, जिसके जरिए व्यक्ति खुद को अभिव्यक्त कर सकता है। आज फोटो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह के मीडिया के लिए भी बेहद जरूरी चीज हो गई है। इस देखते हुए गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान, के बीजेएमसी द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने ई–फोटो मैगजीन की शुरूआत विभाग के डीन डॉ. धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में की।

https://www.facebook.com/Vyakt-Faces-of-Humanity-1556403521357098

क्लिक ऑफ द वीक

QkVks % f'kçk'k ik.M;

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज** : अरविन्द कुमार **संपादकीय टीम** : पूनम, मो. मुईद (एम. फिल.), पायल चौधरी (बीजेएमसी प्रथम वर्ष)
फोटोग्राफी टीम : सुमित बंसल व शिप्रांशु पांडेय (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष) **पृष्ठ सज्जा** : अरविन्द कुमार
हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें 0121 3055017, 9456068123 (आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। —— प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार द्वारा ——